RNI : UAHIN/25/A3210

# आवाम इंडिया

हिन्दी साप्ताहिक

वर्षः 01 अंकः 09 देहरादून, शुक्रवार 12 जून 2026 मूल्य 2 रुपये पृष्ठः 8 www.aawamindia.com

# मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रम में प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2026 जारी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के क्रम में सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उत्तराखण्ड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2026 जारी कर दी गई है। इस नीति का उद्देश्य राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित विकास और नवाचार को बढ़ावा देते हुए उत्तराखण्ड को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है। नई नीति में अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं एवं चुनौतियों के समाधान के लिए विज्ञान और तकनीक के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया है। नीति का लक्ष्य आर्थिक विकास, सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की दिशा में राज्य को आगे बढ़ाना है। इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर एक सलाहकार निकाय का गठन किया जाएगा।

नीति के तहत राज्य, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने के लिए व्यापक सहयोगात्मक तंत्र विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र की कंपनियों और स्टार्ट-अप्स में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार (ैज्प्) इकाइयों की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन भी किया जाएगा।

नीति के अंतर्गत सार्वजनिक निधि से संचालित शोध कार्यों से प्राप्त डेटा का डिजिटल भंडारण किया जाएगा तथा इसे सभी हितधारकों तक सुरक्षित और सरल रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। भारत सरकार की ष्एक राष्ट्र, एक सदस्यताष पहल के माध्यम से शोध और विज्ञान संबंधी अभिलेखागारों तक पहुंच भी उपलब्ध होगी। ष्आत्मनिर्भर उत्तराखण्डष की अवधारणा को साकार करने के लिए तकनीक के स्वदेशीकरण और स्थानीयकरण को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।

नई नीति के तहत राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्थानीय तकनीकी समाधान विकसित किए जाएंगे तथा पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को भी आधुनिक अनुसंधान एवं नवाचार से जोड़ा जाएगा। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। नवीन शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षकों के कौशल विकास हेतु अत्याधुनिक शिक्षण-अधिगम केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। विज्ञान संचार और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए राज्य में विज्ञान नगरी, विज्ञान केंद्र, तारामंडल, अटल टिंकरिंग लैब, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (।प्) प्रयोगशालाएं, खगोल अवलोकन संघ तथा उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

नई नीति में ।प्, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स, ड्रोन, संवर्धित वास्तविकता (।त), आभासी वास्तविकता (टत) और मिश्रित वास्तविकता (डत) जैसी उभरती तकनीकों को विशेष महत्व दिया गया है।

इसके अतिरिक्त राज्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार वेधशाला की स्थापना की जाएगी। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2026 हमारे राज्य को ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। हमारा उद्देश्य केवल विज्ञान और तकनीक का विस्तार करना नहीं, बल्कि उसे आम जनजीवन, सुशासन, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन से जोड़ना है। यह नीति युवाओं, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स, वैज्ञानिकों और जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों को एक साझा मंच प्रदान करेगी।

# सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण, सीएम ने दी पत्र लिख कर दी बधाई

**संवाददाता**

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र प्रेषित कर उनके सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने और सर्वाधिक अवधि तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने पर देवभूमि उत्तराखण्ड की जनता की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों नागरिकों के जीवन

में सकारात्मक परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, जीएसटी व्यवस्था तथा रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने भारत को नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत द्वारा किए गए व्यापक टीकाकरण अभियान तथा 'वैक्सीन मैत्री' पहल को भी वैश्विक नेतृत्व का उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र की सुरक्षा, सैनिकों के सम्मान, सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा सनातन सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक तथा श्री केदारनाथ धाम पुनर्निर्माण जैसे कार्यों को राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के प्रति प्रधानमंत्री के विशेष स्नेह एवं सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में श्री केदारनाथ एवं श्री बदरीनाथ धाम पुनर्विकास, चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, रोपवे परियोजनाओं, वंदे भारत एक्सप्रेस, सीमांत क्षेत्रों के विकास तथा विभिन्न आधारभूत संरचना परियोजनाओं को नई गति मिली है।मुख्यमंत्री ने लखवाड़, सौंग व्यासी एवं जमरानी बहुद्देशीय बांध परियोजनाओं को गति मिलने का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके पूर्ण होने से राज्य में पेयजल एवं सिंचाई संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी तथा लाखों लोगों को लाभ प्राप्त होगा।

# कार्यभार ग्रहण करते ही पुलिस महानिरीक्षक पहुँची कैंची धाम

देहरादून। भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती निवेदिता कुकरेती ने आज पुलिस महानिरीक्षक, कुमायूँ परिक्षेत्र, नैनीताल के पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने परिक्षेत्रीय कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा परिक्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी ली.

कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस महानिरीक्षक महोदया ने कहा कि कुमायूँ परिक्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, साइबर अपराधों की रोकथाम, मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाना, जनशिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा पुलिस और जनता के मध्य विश्वास एवं संवाद को और अधिक मजबूत बनाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि आगामी कैंची धाम स्थापना दिवस, पर्यटन सीजन तथा बढ़ती पर्यटक गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए सुरक्षित, सुगम एवं अवरोधरहित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहेगा। उन्होंने कहा कि

यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, शटल सेवाओं, डायवर्जन प्लान तथा भीड़ नियंत्रण के लिए सभी संबंधित जनपदों में व्यापक एवं प्रभावी कार्ययोजना लागू की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को निर्बाध यात्रा एवं दर्शन का अनुभव प्राप्त हो सके।

**आधुनिक पुलिसिंग एवं पुलिस कल्याण पर विशेष जोर**

उन्होंने कहा कि पुलिस बल के आधुनिकीकरण, तकनीकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग, स्मार्ट पुलिसिंग, अपराध विश्लेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने तथा पुलिस कर्मियों के कल्याण एवं क्षमता विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही अपराध एवं यातायात प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों के प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान हेतु समन्वित रणनीति अपनाई जाएगी।

पत्रकार वार्ता के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने मीडिया प्रतिनिधियों से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में शांति, सुरक्षा एवं जनजागरूकता के प्रसार में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुलिस एवं मीडिया के बीच बेहतर समन्वय से जनहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

पत्रकार वार्ता के उपरांत पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती निवेदिता कुकरेती स्वयं कैंची धाम पहुँचीं और आगामी कैंची धाम मेले एवं पर्यटन सीजन की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थलों, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधों, आपातकालीन व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तृत जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक महोदया ने मंदिर समिति के पदाधिकारियों से भी अपील की कि आगामी आयोजन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने हेतु पुलिस प्रशासन एवं मंदिर समिति के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं निर्बाध दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वित रूप से कार्य किया जाएगा।

# मेले को सुव्यवस्थित रूप से आयोजित कराए जाने के निर्देश

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आज सचिवालय में नैनीताल जिले में स्थित श्री कैंची धाम में आयोजित होने वाले स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक

मेले की तैयारियों को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक ली।

मुख्य सचिव ने मेले को सुव्यवस्थित रूप से आयोजित कराए जाने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग को श्रद्धालुओं के आवागमन का पीक टाईम को देखते हुए अगले 10 दिनों के लिए रूट प्लान एवं यातायात प्रबन्धन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र के लिए जोनल एवं सेक्टोरल प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने पार्किंग मैनेजमेंट और रूट प्लान का प्रचार-प्रसार स्थानीय स्तर पर, राज्य एवं राज्य के बाहर भी किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन एवं रूकने के साथ ही यातायात संकुलन से बचने में किसी प्रकार की समस्या न हो।

मुख्य सचिव ने सौन्दर्यीकरण एवं लाइटिंग आदि कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए मेला क्षेत्र एवं पार्किंग क्षेत्र में पेयजल एवं टॉयलेट आदि मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि मल्टीलेवल पार्किंग के लिए आने और जाने का मार्ग व्यवस्थित रूप से रखा जाए, ताकि पार्किंग में जाम जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने पार्किंग एरिया से मंदिर तक आवागमन के लिए शटल सेवा की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने रूट डायवर्ट करने और वैकल्पिक मार्गों को तैयार, ब्लैक टॉपिंग आदि के कार्य करने के लिए पुलिस एवं लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया।

मुख्य सचिव ने आकस्मिक परिस्थितियों के लिए निकासी योजना को भी अनिवार्य रूप से तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ एम्बुलेंस आदि की भी व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखी जाए। उन्होंने आकस्मिक परिस्थितियों के लिए तैयार निकासी योजना को पुलिस एवं मंदिर से सम्बन्धित सुरक्षाकर्मियों के साथ अच्छे से ब्रीफ कराया जाए, ताकि निकासी योजना का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने भीड़ प्रबन्धन के लिए हितधारकों से लगातार संवाद करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।इस अवसर पर सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयुक्त कुमांऊ श्री दीपक रावत, आईजी कुमाऊं श्रीमती निवेदिता कुकरेती, जिलाधिकारी नैनीताल श्री ललित मोहन रयाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री मंजुनाथ टीसी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# आयुष चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर किया सांकेतिक विरोध

चमोली। राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सक सेवा संघ, उत्तराखण्ड के प्रांतीय आह्वान पर जनपद चमोली के समस्त आयुष चिकित्सकों द्वारा आज काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराया गया। चिकित्सकों ने नियमित रूप से ओपीडी एवं अन्य आवश्यक सेवाओं का संचालन करते हुए विभाग एवं शासन का ध्यान अपनी लंबित मांगों की ओर आकर्षित किया। जिला संघ के अध्यक्ष डा. चंद्रबल्लभ पाटिल एवं जिला सचिव डा. त्रिलोक सिंह रावत ने बताया कि यह विरोध आयुष चिकित्सा संवर्ग से संबंधित लंबे समय से लंबित सात सूत्रीय मांगों के समर्थन में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संघ की प्रमुख मांगों में श्आयुष चिकित्सा संवर्ग हेतु पृथक विभागीय निदेशक की नियुक्ति, चिकित्सकों को समयबद्ध रूप से एसीपी का लाभ प्रदान करना, डीएसीपी व्यवस्था को लागू करना, विभागीय ढांचे का पुनर्गठन कर पदोन्नति के अवसरों में वृद्धि करना, स्नातकोत्तर अध्ययन अवकाश से संबंधित विसंगतियों का निराकरण, वर्ष 2024 बैच के चिकित्साधिकारियों का शीघ्र स्थायीकरण तथा चिकित्सकों की व्यक्तिगत मोबाइल डिवाइस पर आधार आधारित एप्लिकेशन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था का विरोध प्रमुख रूप से शामिल हैं। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि उक्त मांगों के संबंध में विभाग एवं शासन को पूर्व में कई बार अवगत कराया जा चुका है तथा वर्तमान सांकेतिक विरोध कार्यक्रम की सूचना भी शासन एवं विभागीय अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस एवं सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है।

उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सक वर्षों से जनस्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, इसलिए उनकी न्यायोचित मांगों पर शीघ्र निर्णय लिया जाना आवश्यक है। यदि सरकार एवं विभाग द्वारा मांगों के समाधान हेतु गंभीरतापूर्वक पहल नहीं की जाती है, तो प्रांतीय संघ के निर्देशानुसार आंदोलन को आगामी चरणों में और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाया जाएगा। संघ ने शासन से मांग की है कि आयुष चिकित्सकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं चिकित्सकों के हित में सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

# डीएम ने 'आशियाना' और 'निकेतन' का स्थलीय निरीक्षण कर परखीं व्यवस्थाएं

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी सभी



तैयारियां पूरी कर ली हैं। राष्ट्रपति के 12 और 13 जून को होने वाले कार्यक्रमों के सफल और सुचारु संचालन के लिए पूरी प्रशासनिक मशीनरी अलर्ट मोड पर है। इसी सिलसिले में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने गुरुवार को 'राष्ट्रपति निकेतन'और 'राष्ट्रपति आशियाना' परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, महामहिम राष्ट्रपति 12 जून को देहरादून स्थित राष्ट्रपति निकेतन पहुंचेंगी। यहाँ वे राष्ट्रपति आशियाना परिसर में 132 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में विकसित किए जा रहे अत्याधुनिक राष्ट्रपति उद्यान के निर्माण और विकास कार्यों का बारीकी से अवलोकन करेंगी। इसके बाद, अपने दौरे के दूसरे दिन यानी 13 जून को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), देहरादून में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की दीक्षांत परेड (पासिंग आउट परेड) में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदय के दौरे के दौरान किसी भी स्तर पर चूक या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग अपनी तैयारियों को शत-प्रतिशत त्रुटिहीन रखें। जिलाधिकारी ने बिजली, पेयजल, अग्नि सुरक्षा (फायर सेफ्टी), वन और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े विभागों को अपनी व्यवस्थाओं से संबंधित फिटनेस या क्लियरेंस सर्टिफिकेट अनिवार्य रूप से जमा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिलाधिकारी ने राष्ट्रपति उद्यान में विकसित की जा रही अत्याधुनिक अवस्थापना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) सुविधाओं को तय समय के भीतर पूरा करने और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को तुरंत बहाल करने को कहा गया है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आगामी उत्तराखंड दौरे को लेकर जहां प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में हैं, वहीं उनके इस दौरे का मुख्य केंद्र 'राष्ट्रपति आशियाना' परिसर में बन रहा भव्य राष्ट्रपति उद्यान है। लगभग 132 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में विकसित किया जा रहा यह अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय पार्क वर्तमान में तेजी से पूर्णता की ओर अग्रसर है। हरियाली, स्वास्थ्य संवर्धन, पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया जा रहा यह उद्यान आने वाले समय में देहरादून की एक नई पहचान बनेगा। उल्लेखनीय है कि महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने पिछले वर्ष 20 जून 2025 को देहरादून में 'राष्ट्रपति तपोवन' एवं 'राष्ट्रपति निकेतन' का उद्घाटन किया था। इसी ऐतिहासिक अवसर पर उन्होंने राष्ट्रपति निकेतन परिसर में इस महत्वाकांक्षी 'राष्ट्रपति उद्यान' की आधारशिला भी रखी थी। अब अपने इस दौरे पर वे स्वयं इसके विकास कार्यों की प्रगति का अवलोकन करेंगी। पार्क के भीतर एक आकर्षक थीम पार्क, आधुनिक कैफेटेरिया और लजीज व्यंजनों के लिए फूड कोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। स्वास्थ्य प्रेमियों के लिए पार्क में 2,700 मीटर लंबा जॉगिंग, साइकिलिंग एवं वॉकिंग ट्रैक और प्रकृति का आनंद लेने के लिए 840 मीटर लंबा शानदार बोर्डवॉक बनाया जा रहा है। सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए 800 लोगों की क्षमता वाला एक विशाल ओपन एयर थिएटर, मानसिक शांति और स्वास्थ्य के लिए एक समर्पित योगा पवेलियन और खूबसूरत व्यूइंग व वॉटरफॉल डेक का निर्माण भी अंतिम चरण में है। खेल प्रेमियों के लिए एक विशेष स्पोर्ट्स जोन विकसित किया जा रहा है, जहां विभिन्न खेल गतिविधियों की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पार्क को बेहद सुव्यवस्थित रूप दिया जा रहा है। इसके तहत यहाँ तीन भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण किया जा रहा है, ताकि आवाजाही सुगम हो सके। इसके साथ ही वाहनों के व्यवस्थित ठहराव के लिए एक बड़ी और आधुनिक पार्किंग व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को इस पूरे इन्फ्रास्ट्रक्चर को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के.के. मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) स्मृता परमार सहित सीपीडब्ल्यूडी, विद्युत, पेयजल, वन, परिवहन तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# चारधाम यात्रा में सुरक्षित परिवहन को लेकर पुलिस का जागरूकता अभियान

चमोली। आज प्रचलित चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से



यातायात पुलिस चमोली द्वारा माणा बस पार्किंग में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर यातायात निरीक्षक दिगम्बर उनियाल द्वारा बस एवं टैक्सी चालकों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन तथा जिम्मेदार वाहन संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

निरीक्षक दिगम्बर उनियाल ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान जनपद चमोली की सड़कों पर वाहनों का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है। ऐसे में वाहन चालकों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, ओवरलोडिंग से बचने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने बताया कि पहाड़ी मार्गों पर थोड़ी सी असावधानी भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

इसलिए सभी चालक यात्रा मार्गों पर धैर्य, संयम एवं सतर्कता के साथ वाहन संचालन करें तथा यातायात पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णत: पालन करें। कार्यक्रम के दौरान वाहन चालकों को MACT (Motor Accident Claims Tribunal) Solatium Scheme के संबंध में भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि हिट एंड रन जैसी दुर्घटनाओं में पीड़ितों एवं उनके परिजनों को सरकार द्वारा निर्धारित आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को मिलने वाली सहायता एवं अन्य प्रावधानों की भी जानकारी साझा की गई। यातायात निरीक्षक ने उपस्थित चालकों से कहा कि दुर्घटना की स्थिति में घायलों की सहायता करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। समय पर दी गई मदद किसी की जान बचा सकती है। उन्होंने वाहन चालकों को गुड समेरिटन प्रावधानों के बारे में भी जागरूक करते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वालों को कानून द्वारा संरक्षण प्रदान किया गया है। इस दौरान अपर उपनिरीक्षक मुकेश भी मौजूद रहे।

# यात्रा मार्गों पर सेवा, संवेदनशीलता और ईमानदारी की मिसाल बनी चमोली पुलिस

चमोली। हेमकुण्ड साहिब यात्रा के दौरान अलवर (राजस्थान) से आए 06 यात्रियों के दल में शामिल 35 वर्षीय गगनदीप की काजला हेलीपैड के समीप अचानक तबीयत बिगड़ गई। ऊंचाई वाले क्षेत्र में ऑक्सीजन की कमी के कारण उनकी हालत खराब होने लगी। सूचना मिलते ही घांघरिया पुलिस चौकी से कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह नेगी, कांस्टेबल राहुल एवं कांस्टेबल प्रदीप तत्काल मौके पर पहुंचे। यात्री की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल पालकी की व्यवस्था कर उन्हें सुरक्षित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घांघरिया पहुंचाया गया। उपचार के बाद स्वास्थ्य में सुधार होने पर आगे की यात्रा के लिए घोड़े की व्यवस्था भी कराई गई। यात्री एवं उनके साथियों ने चमोली पुलिस की त्वरित सहायता के लिए आभार व्यक्त किया।

घायल महिला श्रद्धालु को रात में सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया

अमृतसर (पंजाब) से आए 15 श्रद्धालुओं के दल में शामिल कमलजीत कौर हेमकुण्ड साहिब यात्रा के दौरान रामढुंगी के पास अचानक गिरकर घायल हो गईं। रात्रि के समय सूचना प्राप्त होते ही चौकी प्रभारी घांघरिया उ0नि0 अमनदीप सिंह, हेड कांस्टेबल देवप्रकाश, कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह नेगी एवं ।जै टीम मौके पर पहुंची। महिला की स्थिति को देखते हुए तत्काल पालकी की व्यवस्था कर उन्हें सुरक्षित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घांघरिया पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य हुई। श्रद्धालुओं ने पुलिस की तत्परता और मानवीय व्यवहार की सराहना की।

ईमानदारी की मिसाल, लाखों की ज्वैलरी और जरूरी सामान लौटाया

बद्रीनाथ धाम यात्रा के दौरान मंदिर समिति कर्मचारी राकेश द्वारा कर्नाटक निवासी लक्ष्मी बाई नारायण राव का पर्स, नकदी एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित लौटाए गए वहीं कर्मचारी राजदीप सनवाल ने पुलिस के सहयोग से लगभग 5 लाख रुपये मूल्य के सोने एवं हीरे के आभूषण उनके वास्तविक स्वामी तक पहुंचाकर ईमानदारी की मिसाल पेश की। इस कार्य की यात्रियों एवं स्थानीय लोगों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

बिछड़ी वृद्ध महिला को परिजनों से मिलाया

गुजरात निवासी श्रीमती हीराबेन अपने परिजनों के साथ श्री बद्रीनाथ धाम दर्शन हेतु आई थीं। मंदिर परिसर में अत्यधिक भीड़ के दौरान वे अपने परिजनों से बिछड़ गईं और लॉर्ड्स तिराहा क्षेत्र में अकेली मिलीं।

# सम्पादकीय

## शिक्षा

भारत विस्तारित निगरानी, तृतीयक (टर्शियरी) बुनियादी ढांचे और जिला स्तर पर उपचार सुविधाओं के माध्यम से कैंसर देखभाल को मजबूत कर रहा है।

सरकार ने तृतीयक स्तर पर कैंसर देखभाल की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए वर्ष 2014-15 से तृतीयक कैंसर देखभाल केंद्र सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की योजना को लागू किया। इस योजना के तहत, 19 राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) और 20 तृतीयक कैंसर देखभाल केंद्रों (टीसीसीसी) को मंजूरी दी गई है। योजना के अंतर्गत, राज्य के हिस्से सहित एससीआई के लिए 120 करोड़ रुपये तक और टीसीसीसी के लिए 45 करोड़ रुपये तक का एकमुश्त अनुदान प्रदान करने का प्रावधान है। वर्तमान में, 20एससीआई, 19 टीसीसीसी और 439 डीसीसीसी (जिला कैंसर देखभाल केंद्र) पूरी तरह कार्यरत हैं और मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। पिछले बारह वर्षों में, पूरे देश में शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता के अवसर काफी बढ़े हैं। मजबूत संस्थानों, ऋणों तक व्यापक पहुँच और उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण ने करियर के अवसरों को बेहतर बनाया है। इन प्रयासों ने नवाचार को बढ़ावा दिया है, स्वरोजगार को प्रोत्साहित किया है और भारत के मध्यम वर्ग के लिए सामाजिक-आर्थिक उन्नति को मजबूत किया है। स्कूली शिक्षा- 2047 तक शविकसित भारतश बनने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए, भारत के लिए सामाजिक और आर्थिक प्रगति के केंद्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। वर्ष 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, भारत के 14.71 लाख स्कूल 24.69 करोड़ से अधिक छात्रों और 1.01 करोड़ शिक्षकों को सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, 2018 में श्समग्र शिक्षाश की शुरुआत ने स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर एक एकीकृत दृष्टिकोण तैयार किया। इसने एक एकीकृत ढांचे के माध्यम से योजना, संसाधनों के आवंटन और सीखने के परिणामों में सुधार किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) ने समग्र, कौशल-उन्मुख और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा को बढ़ावा देकर इस दृष्टिकोण को और मजबूत किया। मध्यम-वर्गीय परिवारों के लिए, ये सुधार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर करियर के अवसरों तक पहुँच का विस्तार करते हैं। ये शैक्षिक अंतर को भी कम करते हैं और आगे बढ़ने के रास्तों को सुदृढ़ बनाते हैं। आईआईटी का विस्तार- वर्ष 2014 में भारत में 16 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) थे। बाद के वर्षों में 7 नए आईआईटी जोड़े जाने के साथ, इनकी कुल संख्या बढ़कर 23 (2025) हो गई। पिछले एक दशक में (2025-26 तक) छात्रों की संख्या भी दोगुनी होकर 65,000 से 1.35 लाख हो गई है। इसके अलावा, सरकार ने नए आईआईटी में 6,500 अतिरिक्त छात्रों को सहयोग देने के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार को मंजूरी दी है। तिरुपति, भिलाई, जम्मू, धारवाड़ और पलक्कड़ में यह नई क्षमता तैयार की जाएगी। वरिष्ठ फैक्ल्टी के 130 पदों को जोड़े जाने से शैक्षणिक गुणवत्ता और अधिक मजबूत होगी। मध्यम वर्ग के लिए, यह विस्तार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शीर्ष संस्थानों तक पहुँच को बेहतर बनाता है। यह बेहतर नौकरियों, उच्च आय और सामाजिक-आर्थिक उत्थान के रास्ते खोलता है।

# सही दिशा में आगे बढ़ रही राज्य सरकार : सीएम

## मुख्यमंत्री ने वितरित किए चयनित 221 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से शहरी विकास, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग, पशुपालन विभाग में विभिन्न पदों पर चयनित 221 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शहरी विकास, कौशल विकास एवं सेवायोजन तथा पशुपालन विभाग के अंतर्गत आज नवचयनित 221 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य में बीते साढ़े चार वर्षों में सरकार ने 33 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा यह पल युवाओं की वर्षों के परिश्रम और संघर्ष की सफलता का स्वर्णिम क्षण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के चेहरों पर मुस्कान बताती है कि राज्य सरकार, सही दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य के युवा वर्तमान के साथ भविष्य की भी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नई स्टार्टअप नीति, राज्य में नया स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और युवा प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आर्थिक और तकनीकी रूप मजबूत किया जा रहा है।

सरकार के प्रयासों से युवा आज अपने सपनों को लेकर पहले से कई अधिक आश्वस्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था जब युवाओं के सपनों और उनके माता-पिता के त्याग के साथ अन्याय होता था। पर आज रिकॉर्ड समय में भर्तियां पूरी हो रही हैं। पहले युवाओं को हताशा और निराशा मिलती थी, आज राज्य सरकार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपने का काम करती है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होने देगी। उन्होंने कहा आज के दिन, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में पूरे 12 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जो अपने आप में एक ऐतिहासिक दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नकल माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। राज्य सरकार ने देश में सबसे कड़ा कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया है। मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि आगे भी राज्य सरकार इसी रफ्तार, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ युवाओं को लगातार रोजगार के अवसर देती रहेगी। उन्होंने कहा विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि खाली पदों को भी तुरंत भरा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा सभी अभ्यर्थियों से सरलीकरण, समाधान, निस्तारीकरण और संतुष्टि के मंत्र को अपना ध्येय मानकर हर गरीब, हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान करने की बात कही।

उन्होंने कहा नए अभ्यार्थी केवल सरकारी कर्मचारी नहीं हैं बल्कि उत्तराखंड के विकास के सहभागी भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश, विकसित भारत-2047 के महान संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस अमृतकाल में सभी ने मिलकर इस महायज्ञ में सक्रिय भागीदारी निभानी है और राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देना है। कैबिनेट मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि उत्तराखंड में एक समय ऐसा था जब लोग सरकारी नौकरी का सपना देखा करते थे, पर आज टैलेंटेड युवा अपनी मेहनत से सरकारी नौकरी पा रहा है। तय समय में युवाओ को नियुक्ति पत्र भी मिल रहे हैं। अब तक मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हजारों युवा को बिना किसी शिकायत के सरकारी नौकरी मिली है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने राज्य के बच्चों के भविष्य को संवारने का काम किया है। उन्होंने बताया कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के प्रशिक्षण प्रखण्ड के अन्तर्गत चयनित 173 अनुदेशकों, 04 वैयक्तिक सहायकों एवं पशुपालन विभाग में चयनित 09 वैयक्तिक सहायक को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री श्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिना सिफारिश के नियुक्तियां हो रही हैं। आज मेहनती बच्चों को ही पारदर्शिता से नौकरियां मिल रही हैं। बीते 2 वर्षों में शहरी विकास विभाग में 215 लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। आज शहरी विकास विभाग में चयनित 35 सहायक लेखाकारों को नियुक्ति पत्र वितरण किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा आज युवा मुख्यमंत्री श्री धामी पर भरोसा करते हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ, विधायक श्रीमती सविता कपूर, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री राजेंद्र अणथ्वाल, श्री भूपेंद्र कंडारी, सचिव श्री नितेश झा, अपर सचिव सी. रविशंकर एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

# उत्तराखंड में सड़क, रेल से लेकर हवाई सेवाओं का अभूतपूर्व विस्तार

देहरादून। देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में आने के बाद विगत 12 वर्षों के दौरान उत्तराखंड में सड़क, रेल से लेकर हवाई सेवाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व ने इस रफ्तार पर डबल इंजन लगाने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2016 में चारधाम सड़क परियोजना का शिलान्यास किया था। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड के चारों धामों को ऑल वेदर रोड से जोड़ना है, करीब 12,000 करोड़ रुपए लागत की इस परियोजना का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जिस कारण चारधामों सहित पहाड़ के बड़े हिस्से में आवाजाही सुगम हुई है। प्रधानमंत्री ने दिल्ली -देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में एक और सौगात उत्तराखंड को दी है। 11,963 करोड़ रुपए की लागत से बने 210 किमी लंबे इस हाईवे के शुरू होने से दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई घंटे के अकल्पनीय समय में पूरा करना संभव हो पाया है। केंद्र सरकार के सहयोग से वर्तमान में सितारगंज-टनकपुर, पौंटा साहिब-देहरादून, भानियावाला-ऋषिकेश, काठगोदाम-लालकुआं-हल्द्वानी बाईपास तथा रुद्रपुर बाईपास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी कार्य जारी है।

आम आदमी ने भरी उड़ान :- बीते 12 वर्षों के भीतर राज्य के दूर दराज के क्षेत्रों के लिए भी हवाई सेवाएं शुरु हुई हैं। केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य के तीन बड़े एयरपोर्ट जॉलीग्रांट, पंतनगर और पिथौरागढ़ का विस्तार किया जा चुका है। साथ ही आम आदमी के सपनों का पंख देने के लिए शुरु केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत भी प्रदेश में 18 हैलीपोर्ट विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें से 12 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में ही देहरादून एयरपोर्ट से अहमदाबाद, भुवनेश्वर, बैंगलोर, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, पुणे, कुल्लू जैसे शहरों के लिए नियमित हवाई सेवा प्रारंभ हो चुकी है। इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक हवाई सेवा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री उड़न खटोला योजना संचालित कर रही है। इस योजना के तहत राज्य के पर्वतीय जिलों के लिए देहरादून और हल्द्वानी से हेली सेवा का संचालन किया जा रहा है।

पहाड़ में पहुंचने वाली है रेल :- केंद्र में मोदी सरकार बनने बाद राज्य में रेल नेटवर्क में भी तेजी से विस्तार हुआ है।

# स्थानीय व्यापार एवं आध्यात्मिक पर्यटन को मिली नई ऊर्जा

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा की गई सुनियोजित एवं प्रभावी व्यवस्थाओं के फलस्वरूप इस वर्ष श्री केदारनाथ धाम यात्रा नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। यात्रा के सफल संचालन का प्रत्यक्ष लाभ न केवल श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित यात्रा के रूप में मिला है, बल्कि स्थानीय व्यापारियों, होटल व्यवसायियों, परिवहन संचालकों तथा स्वरोजगार से जुड़े हजारों लोगों की आर्थिकी को भी नई मजबूती प्राप्त हुई है। कुल 11,58,395 श्रद्धालु बाबा श्री केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं, जो यात्रा के प्रति देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था एवं प्रशासन द्वारा विकसित विश्वास का प्रमाण है। अगस्त्यमुनि व्यापार मंडल के अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह नेगी ने कहा कि यात्रा सीजन शुरू होने से पहले खाड़ी देशों में चल रहे तनाव को लेकर व्यापारियों के बीच आशंकाएं थीं कि इसका प्रभाव केदारनाथ यात्रा पर पड़ सकता है, लेकिन राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और प्रभावी प्रबंधन के चलते सभी आशंकाएं निराधार साबित हुईं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन से स्थानीय व्यापारियों, होटल व्यवसायियों एवं अन्य स्वरोजगार से जुड़े लोगों को व्यापक आर्थिक लाभ मिला है। उन्होंने सफल एवं सुव्यवस्थित यात्रा संचालन के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। होटल संचालक ऋषभ नौटियाल ने कहा कि इस वर्ष केदारनाथ यात्रा अत्यंत सफल रही है और इसका सकारात्मक प्रभाव स्थानीय होटल व्यवसाय पर स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन से होटल व्यवसाय को अच्छा लाभ प्राप्त हुआ तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने से श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा का अनुभव प्राप्त हुआ। गुप्तकाशी व्यापार सभा के महासचिव आशीष बिष्ट ने यात्रा के सफल संचालन के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेहतर यातायात व्यवस्था, सुदृढ़ सुरक्षा प्रबंधन, स्वच्छता एवं श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के कारण इस वर्ष केदारनाथ यात्रा ने सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या का सीधा सकारात्मक प्रभाव स्थानीय व्यापार एवं पर्यटन गतिविधियों पर पड़ा है, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। गौरीकुंड व्यापार सभा के अध्यक्ष राम चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि इस वर्ष केदारनाथ यात्रा का संचालन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफल रहा है। बेहतर व्यवस्थाओं के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का वातावरण बना रहा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ी संख्या का लाभ स्थानीय युवाओं को रोजगार के रूप में मिला है। होटल व्यवसाय, परिवहन सेवाएं, घोड़ा-खच्चर संचालन, दुकानदारों एवं अन्य व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े लोगों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। स्थानीय व्यापारिक संगठनों एवं होटल व्यवसायियों ने एक स्वर में कहा कि राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा यात्रा प्रबंधन, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, यातायात नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए गए प्रभावी प्रयासों ने केदारनाथ यात्रा को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और सफल बनाया है। इन व्यवस्थाओं के कारण श्रद्धालुओं का विश्वास बढ़ा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ स्थानीय व्यापार एवं आध्यात्मिक पर्यटन को प्राप्त हुआ है। श्री केदारनाथ धाम यात्रा की यह सफलता प्रशासन, विभिन्न विभागों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों एवं आमजन के समन्वित प्रयासों का परिणाम है, जिसने धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी नई दिशा प्रदान की है।

# 15 नवम्बर तक सभी सड़कें हों गड्ढा मुक्त : सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में मानसून सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून प्रारम्भ होने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन, जनसुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण तैयारी रखें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मानसून के बाद 15 नवम्बर, 2026 तक प्रदेश की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष आपदा प्रभावित क्षेत्रों में शेष कार्यों को मानसून शुरू होने से पहले पूरा किया जाए। पुलों, कल्वर्टों एवं ड्रेनेज सिस्टम की जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं तथा सभी नालों एवं जल निकासी मार्गों की सफाई मानसून से पूर्व सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने डेंगू, मलेरिया एवं अन्य जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जीवनरक्षक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों एवं एम्बुलेंस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करे। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनपदों में गर्भवती महिलाओं की अद्यतन सूची मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से प्राप्त कर नियमित रूप से अपडेट रखें। संवेदनशील एवं दुर्गम क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं के लिए निकटवर्ती अस्पतालों के आसपास ठहरने की व्यवस्था की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर हेली एम्बुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी जिलों में भूस्खलन संभावित स्थलों, बाढ़ संभावित क्षेत्रों, नदी तटों एवं भू-कटाव वाले क्षेत्रों का अद्यतन मानचित्र तैयार किया जाए। साथ ही ऐसे गांवों, स्कूलों, अस्पतालों एवं अन्य महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सूची भी तैयार की जाए जो आपदा की दृष्टि से संवेदनशील हैं। चारधाम यात्रा मार्ग सहित राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर संवेदनशील स्थलों का विशेष निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों का भौतिक निरीक्षण किया जाए। जेसीबी, पोकलैंड, डंपर, क्रेन एवं अन्य आवश्यक मशीनरी को पहले से ही संवेदनशील स्थानों पर तैनात रखा जाए। जहां मानसून के दौरान सड़कें बार-बार बाधित होती हैं, वहां वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। सभी प्रभावी सचिव अपने-अपने जनपदों का भ्रमण कर मानसून के दृष्टिगत जनपदों में की गई तैयारियों का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में चेतावनी संकेतक एवं सूचना बोर्ड लगाए जाएं तथा प्रत्येक तहसील में राहत एवं बचाव सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र एवं जिला नियंत्रण कक्षों के बीच 24ञ7 समन्वय स्थापित किया जाए। मौसम संबंधी अलर्ट ग्राम स्तर तक त्वरित रूप से पहुंचाने की प्रभावी व्यवस्था की जाए तथा पर्यटकों एवं यात्रियों को समय पर मौसम संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने मानसून से पूर्व अतिक्रमण हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि जल निकासी एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के दौरान विद्युत, पेयजल, सड़क, दूरसंचार एवं अन्य मूलभूत सेवाएं लंबे समय तक प्रभावित न हों। इसके लिए सभी संबंधित विभाग विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। एसटीपी एवं पुलों के आसपास की विद्युत लाइनों का सुरक्षा ऑडिट भी कराया जाए। कैंचीधाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण उत्पन्न होने वाली जाम की समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में कैंचीधाम बाईपास कल से आवागमन के लिए प्रारम्भ किया जा रहा है।

# विकसित भारत में युवाओं की भागीदारी खासी अहम : डॉ. धन सिंह रावत

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों में 'विकसित भारत/2047' मुहिम चलाई जायेगी। इस अभियान के तहत सभी विश्वविद्यालयों में अलग-अलग थीम पर 5-5 सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा। जिनमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, राज्य के मंत्रीगण, स्थानीय सांसद, विधायक व पद्म पुरस्कारों से सम्मानित व्यक्ति प्रतिभाग करेंगे। इन सेमिनारों के सफल आयोजन को विभागीय अधिकारियों को ठोस निर्देश दे दिये गये हैं। सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि विकसित भारत में युवाओं की भागीदारी खासी अहम है। इस बात को ध्यान में रखते हुये प्रदेशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों विशेषकर विश्वविद्यालयों में युवाओं को जोड़ने के लिय आगामी शैक्षणिक सत्र से 'विकसित भारत/2047' मुहिम शुरू की जायेगी। जिसके तहत प्रत्येक विश्वविद्यालय में पृथक-पृथक विषयों पर 5-5 सेमिनार आयोजित किये जायेंगे। विश्वद्यिालयों में अयोजित अलग-अलग सेमिनारों में कुलाधिपति, मुख्यमंत्री व केन्द्रीय मंत्री प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा इन कार्यशालाओं में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों, राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसदों व स्थानीय विधायकों की भी गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। डॉ. रावत ने कहा कि 'विकसित भारत/2047' के तहत विभिन्न विषयों पर आयोजित कार्यशालाओं में संवाद एवं विचार-विमर्श सत्र आयोजित किये जाएंगे, जिनमें विशेषज्ञ वक्ता अपने विचार साझा करेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय परिसरों में सेल्फी प्वाइंट स्थापित किए जाएंगे, साथ ही हाफ मैराथन, साइकिल रैली, लघु फिल्म प्रतियोगिता, सोशल मीडिया अभियान एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। विभागीय मंत्री ने कहा कि अभियान को जनांदोलन का स्वरूप देने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर छात्र-छात्राओं का पंजीकरण किया जाएगा तथा उनसे यह भी सुझाव लिए जाएंगे कि वर्ष 2047 तक वे भारत को किस स्वरूप में विकसित देखना चाहते हैं। विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों व छात्र-छात्राओं से प्राप्त सुझावों को संकलित कर भविष्य की नीतियों एवं योजनाओं के लिए उपयोग किया जाएगा। विभागीय मंत्री ने कहा कि कहा कि इस मुहिम को सार्थक बनाने के लिये विभागीय अधिकारियों व विश्वविद्यालय प्रशासन को छात्र-छात्राओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं, ताकि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सोच, ऊर्जा और नवाचार को प्रभावी मंच मिल सके।

# सिलाई सेंटर से आत्मनिर्भर बनीं प्रियंका, बढ़ा रहीं परिवार की आय

संवाददाता

गौचर / चमोली। विकासखंड कर्णप्रयाग के ग्राम कांडा गौचर निवासी प्रियंका देवी ने अपनी आत्म विश्वास से एक नई पहचान बनाई है। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) एवं उड़ान सीएलएफ से जुड़ी प्रियंका देवी ने अपने जीवन में आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुऐ कभी हार नहीं मानी। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने कुछ ऐसा करने का सपना देखा, जिससे वे अपने पैरों पर खड़ी हो सकें और परिवार की आय में भी योगदान दे सकें। उनका यह सपना ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से साकार हुआ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नेतृत्व में राज्य में महिला सशक्तिकरण को समर्पित नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है कि आज प्रदेश की हजारों ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना महिलाओं को उद्यमिता से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ग्राम कांडा गौचर निवासी प्रियंका देवी ने परियोजना के सहयोग से अपने गांव में एक सिलाई सेंटर की स्थापना की। इस उद्यम की कुल लागत 3 लाख रही, जिसमें 75 हजार परियोजना सहयोग, 1. 50 लाख बैंक ऋण तथा 75 हजार उद्यमी अंशदान के रूप में निवेश किया गया। आर्थिक सहयोग मिलने के बाद उन्होंने आधुनिक सिलाई मशीनें खरीदीं और अपने व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से शुरू किया।

शुरुआती दौर में चुनौतियां जरूर थीं, लेकिन उनकी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास ने जल्द ही सकारात्मक परिणाम देने शुरू कर दिये। आज उनके सिलाई सेंटर में आसपास के गांवों की महिलाएं और लोग सिलाई कार्य के लिए पहुंचते हैं। स्कूल यूनिफॉर्म, महिलाओं के परिधान तथा अन्य सिलाई कार्यों की मांग बढ़ने से उनका व्यवसाय लगातार आगे बढ़ रहा है।

वर्तमान में प्रियंका देवी इस उद्यम के माध्यम से प्रतिमाह लगभग घ्10 हजार से घ्15 हजार तक की आय अर्जित कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है तथा बच्चों की शिक्षा एवं घरेलू जरूरतों को पूरा करने में भी सहायता मिल रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनकी सफलता से क्षेत्र की अन्य महिलाओं में भी स्वरोजगार और उद्यमिता के प्रति उत्साह बढ़ा है।

प्रियंका देवी का कहना है कि यदि उन्हें ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना का सहयोग न मिलता तो उनके लिए स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना आसान नहीं था। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं ग्रामोत्थान

परियोजना का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है।

# ऑपरेशन प्रहार के अन्तर्गत रानीपुर पुलिस ने एक व्यक्ति का,शान्ति भंग में किया चालान

हरिद्वार । ऑपरेशन प्रहार के अभ्रद्र व्यवहार किया गया था।

अन्तर्गत कोतवाली रानीपुर पुलिस ने कल शामको शिवालिक नगर में अतिक्रमण हटाने के दौरान ब्राण्डेड ग्रारमेन्ट नामक दुकान के पास एक व्यक्ति आकाश द्वारा अतिक्रमण हटाने को लेकर उग्र होने पर काफी समझाने का प्रयास किया गया लेकिन यह नही माना और उत्तेजित होने लगा। उसी दौरान दुकान के स्वामी द्वारा बताया गया कि आकाश द्वारा कल शाम को भी पुलिस कर्मगण के साथ शान्ति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत उक्त आकाश को अन्तर्गत धारा 170 बी0एन0एस0 में गिरफ्तार किया गया। आरोपी को आज मा0 न्यायालय में पेश किया जा रहा है।1- आकाश पुत्र गौतम सिंह निवासी शिवालिक नगर कोतवाली रानीपुर हरिद्वार उम्र- 26 वर्षपुलिस टीम- उ0नि0 चरण सिंह (चौकी प्रभारी गैस प्लान्ट) हे0का0 प्रदीपका० करम,तोंमर, का0 करम तोमर

# कुंभ मेला-2027 की तैयारियों में तेजी लाएं, समयबद्धता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा : मंत्री राम सिंह कैड़ा

हरिद्वार । शहरी विकास मंत्री श्री राम सिंह कैड़ा ने सोमवार को हरिद्वार पहुंचकर कुंभ मेला-2027 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की तथा विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर उनकी प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ मेले से जुड़े सभी कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए, ताकि आगामी कुंभ मेला दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित रूप में संपन्न हो सके।

शहरी विकास मंत्री ने सीसीआर भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में कुंभ मेला-2027 से संबंधित अवस्थापना विकास कार्यों, निर्माणाधीन परियोजनाओं तथा विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभागों की जिम्मेदारी है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ करें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निधर्ारित समयसीमा के भीतर पूर्ण होने चाहिए। कुंभ मेले के आयोजन में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक विभाग अपने कार्यों की नियमित निगरानी करे तथा प्रगति की सतत समीक्षा सुनिश्चित करे।

श्री कैड़ा ने कहा कि कुंभ मेले में देश-दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचेंगे। ऐसे में उनके लिए सुगम आवागमन, सुरक्षित वातावरण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने सड़कों, पुलों, घाटों, पार्किंग स्थलों तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही यातायात प्रबंधन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं को भी समय रहते सुदृढ़ करने पर बल दिया। शहरी विकास मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और वर्षा ऋतु से पहले अधिकतम प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान निर्माण कार्य प्रभावित हो सकते हैं,

इसलिए वर्तमान समय का अधिकतम उपयोग करते हुए परियोजनाओं को गति प्रदान की जाए।उन्होंने कहा कि यदि किसी परियोजना में तकनीकी, प्रशासनिक अथवा अन्य किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है तो उसे तत्काल सक्षम अधिकारियों एवं शासन के संज्ञान में लाया जाए, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके और कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो।

श्री कैड़ा ने कहा कि गंग नहर पर निर्माणाधीन घाटों के कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के लिए क्लोजर अवधि बढ़ाए जाने हेतु उत्तर प्रदेश के सिंचाई मंत्री से वार्ता कर आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाएगा।

शहरी विकास मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार कुंभ मेला-2027 को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कुंभ मेला की तैयारियों के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

श्री कैड़ा ने कहा कि वह शीघ्र ही पुनः हरिद्वार आकर कुंभ मेला-2027 से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि अगली समीक्षा तक सभी विभाग अपने-अपने कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले में आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु हरिद्वार से सकारात्मक अनुभव लेकर जाए तथा देश-दुनिया में उत्तराखंड की उत्कृष्ट छवि स्थापित हो, इसके लिए सभी विभागों को समर्पित भाव से कार्य करना होगा।

**मेलाधिकारी ने प्रस्तुत की प्रगति रिपोर्ट**

बैठक में मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने कुंभ मेला-2027 के लिए स्वीकृत कार्यों की प्रगति का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि सभी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए स्पष्ट टाइमलाइन निर्धारित की गई है तथा उनकी नियमित निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन घाटों के कार्यों को समय पर पूर्ण कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भेजकर गंगा नहर की आगामी क्लोजर अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया गया है।

**शंकराचार्यों को सादर आमंत्रण एवं अखाड़ों से निरंतर संवाद**

बैठक के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए शहरी विकास मंत्री श्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि राज्य सरकार ने कुंभ मेला-2027 के लिए शंकराचार्यों को भी सादर आमंत्रित किया है। इसके अतिरिक्त सभी अखाड़ों एवं आश्रमों से निरंतर संवाद स्थापित कर उनके सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि संत समाज, अखाड़ों एवं धार्मिक संस्थाओं का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है, जिससे कुंभ मेले के सफल आयोजन का मार्ग और अधिक प्रशस्त हुआ है।

**निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण**

अपने हरिद्वार भ्रमण के दौरान शहरी विकास मंत्री ने सीसीआर-2 भवन तथा एडमिन रोड के निर्माण कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (कुंभ मेला) श्री आयुष अग्रवाल, नगर आयुक्त श्री नंदन कुमार, अपर मेलाधिकारी श्री दयानंद सरस्वती, उप मेलाधिकारी श्री आकाश जोशी, मेला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार वर्मा, अधीक्षण अभियंता यूपीसीएल श्री प्रदीप कुमार, अधीक्षण अभियंता पेयजल निगम श्री जी.एस. तोमर, अधीक्षण अभियंता सिंचाई श्री मनोज सिंह, अधीक्षण अभियंता जल संस्थान श्री यशवीर मलिक, उप निदेशक सूचना श्री मनोज श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# बहुत कुछ बदल गया है, पर यह गीत आज भी रुला देता है

नई दिल्ली। फिल्म छवि है, फिल्म शब्द है, फिल्म गति है, फिल्म नाटक है, फिल्म कहानी है, फिल्म संगीत है, फिल्म में मुश्किल से एक मिनट का टुकड़ा भी इन बातों को एक साथ दिखा सकता है। जिसमें समाज के अच्छे बुरे पहलू साथ-साथ दिखाई देते हों। ऐसी ही साठ के दशक की एक फिल्म है ष्बंदिनीष जिसे भारतीय सिनेमा के स्वर्ण काल का अद्भभुत नगीना कहा जा सकता है। वर्ष 1963 की फिल्म "बंदिनी" बिमल रॉय की आखघ्री फिल्म थी। और गुलजार साहब ने "मोरा गोरा रंग लई ले ..." गीत लिख कर इस फिल्म से अपना डेब्यू किया। हालांकि बाकी सभी गीत शैलेंद्र जी ने लिखे थे। फिल्म की कामयाबी के साथ साथ उस वर्ष की फिल्मफेयर पुरस्कार के बहुत सारे कैटेगरी में इस फिल्म को शामिल किया गया और पुरस्कारों से भी नवाजा गया।ष्बंदिनीष बिमल दा की दूसरी नारी प्रधान फिल्म थी। बिमल दा इससे पहले ष्सुजाताष जैसी बेहतरीन नारी प्रधान फिल्म बना चुके थे। हालांकि आज भी जब बिमल रॉय की चर्चा होती है, तो फिल्मों के जानकार हमेशा सुजाता, काबुलीवाला, दो बीघा जमीन, मधुमती की बात ज्यादा करते हैं। इन फिल्मों के मुकाबले ष्बंदिनीष की चर्चा कम होती है। बंदिनी की कहानी नबेंदु घोष ने लिखी थी। यह फिल्म मुख्यत: चारु दत्त चक्रबर्ती की कहानी "तामसी" पर आधारित थी। फिल्म की कहानी का कालखंड आजादी के पहले का है। देशभक्ति, आजादी के लिए कर्तव्य और प्रेम के प्रति समर्पण के साथ कहानी आगे बढ़ती है। फिल्म के मुख्य किरदार कल्याणी (नूतन) की कहानी जेल से शुरू होती है। जो हत्या के दोष में सजा काट रही है। वहां उसकी मुलाकघत डॉक्टर देवेंद्र (धर्मेंद्र) से होती है, जो महिला वॉर्ड में तपेदिक से ग्रस्त एक महिला कष्दी का इलाज करने के लिए आते हैं। सभी के मना करने के बाद कल्याणी उस मरीज की देखभाल के लिए आगे आती हैं। डॉक्टर देवेंद्र और कल्याणी की मुलाकघत जल्दी-जल्दी होने लगती है। इसके साथ ही डॉक्टर देवेंद्र का झुकाव कल्याणी की तरफ बढ़ने लगता है। दोनों की बढ़ती नजदीकियां जेल के लोगों के लिए चर्चा का विषय बन जाती है। जब कल्याणी जेल के अंदर हो रही चर्चा से बचने के लिए खुद को अलग करना शुरू कर देती है, थोड़ी बातचीत और कुछ मुलाकघतों के बाद डॉक्टर देवेंद्र कल्याणी को बताते हैं कि मैं तुम्हारे रास्ते में नहीं आऊंगा और वह हॉस्पिटल छोड़ कर जाने का फैसला करते हैं। फ्लैशबैक में जाकर जब कहानी आगे बढ़ने लगती है, तब पता चलता है कि कल्याणी अपनी मां और भाई को बहुत पहले खो चुकी थी। कल्याणी के भाई सामाजिक कार्यकर्ता थे, किसी हादसे में कल्याणी जैसी किसी लड़की को बचाते हुए उनकी मौत हो गई। वह गांव में अपने पोस्ट मास्टर पिता के साथ रहती थी। एक दिन अजीब परिस्थितियों में इत्तेफाकघ से कल्याणी की मुलाकघत आजादी के दीवाने बिकास (अशोक कुमार) से होती है। और उनकी नजदीकियां बढ़ने लगती हैं। तमाम चर्चाओं पर विराम लगाने के लिए दोनों के विवाह की बात होती है। इसके तुरंत बाद किसी जरूरी काम से बिकास को शहर जाना पड़ता है, जो वादा करके जाते हैं कि जल्दी लौटेंगे लेकिन कभी लौट कर वापस नहीं आते। उसके बाद कहानी एक अलग मोड़ पर घूम जाती है। गांव में बिकास के रिश्ते के साथ होने वाली चर्चा कल्याणी को चुभने लगती है। इससे बचने के लिए कल्याणी अपने बुजुर्ग पिता को छोड़कर बिकास को ढूंढ़ने के लिए शहर जाने का निश्चय करती है। और रात के अंधेरे में घर से निकल जाती है।

इस सीन के दौरान बैक्ग्राउंड में बजने वाले शैलेंद्र और बर्मन दा की बेहतरीन कंपोजिशन "ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना, इस घाट को इस बाट को तूम भूल ना जाना ... बचपन के तेरे मीत तेरे संग के सहारे, ढूंढ़ेंगे तुझे गली-गली सब यह गम के मारे ..." इस गीत में कल्याणी का धीरे-धीरे आगे बढ़ना बार-बार मुड़कर पीछे देखना बहुत कुछ बयां करता है ... शहर पहुंचकर कल्याणी को वहां के अस्पताल में नौकरी मिल जाती है। कल्याणी को मानसिक रूप से बीमार एक महिला का केयर टेकर दिखाया गया है। जब कल्याणी को पता चलता है कि वही महिला उसके होने वाले पति बिकास की पत्नी है (बिकास को आजादी की लड़ाई जारी रखने के लिए किसी मजबूरी के कारण इस महिला से शादी करनी पड़ी जिसका जिक्र फिल्म में है) उसे बहुत दु:ख होता है। इसके बाद कल्याणी के पिता उसे ढूंढ़ने के लिए शहर जाते हैं और कल्याणी से मिलने के लिए अस्पताल आ रहे होते हैं, तभी एक ऐक्सिडेंट में उनकी मौत हो जाती है। इन सारी घटनाओं से दु:खी होकर कल्याणी गुस्से में उस औरत को जहर देकर मार देती है। इस सीन के लिए बिमल रॉय ने जलते हुए स्टोव को कहानी का हिस्सा बनाया है। इकबाले जुर्म के बाद उसे सात साल की सजा हो जाती है। हां और न के असमंजस के बाद, बहुत समझाने पर कल्याणी डॉक्टर देवेंद्र से शादी करने को तैयार हो जाती है।

## नई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म "है जवानी तो इश्क होना है"

हैदराबाद। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की नई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म "है जवानी तो इश्क होना है" बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे चुकी है। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म की शुरुआत ध ीमी रही है। पहले दिन (शुक्रवार) इसने सिंगल डिजिट में कमाई की और दूसरे दिन (शनिवार) भी यही सिलसिला जारी रहा. इस फिल्म के लिए वरुण धवन ने एक बार फिर अपने पिता और जाने-माने फिल्ममेकर डेविड धवन के साथ काम किया है. "कुली नंबर 1" के बाद यह उनकी साथ में अगली फिल्म है, जो 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों के बीच इसे लेकर काफी उत्सुकता देखी गई. वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म "है जवानी तो इश्क होना है" में मनीष पॉल, मौनी रॉय, जिमी शेरगिल और राकेश बेदी जैसे कलाकार भी सहायक भूमिकाओं में नजर आए हैं। वरुण धवन की फिल्म की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत कुछ खास नहीं रही हैं। मेकर्स द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन ओपनिंग डे पर दुनियाभर में 12.70 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था. इसमें से फिल्म ने इंडिया में 10.20 करोड़ रुपये कमाए, जबकि 2.50 करोड़ रुपये ओवरसीज से आए. ठीक-ठाक शुरुआत के बाद रिलीज के दूसरे दिन भी फिल्म की कमाई में कुछ खास बढ़ोतरी दिखी नहीं. मेकर्स के मुताबिक, श्है जवानी तो इश्क होना हैश ने शनिवार को वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 13.99 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसमें से भारत का 10.74 करोड़ रुपये और ओवरसीज का 3.25 करोड़ रुपये का योगदान रहा. इस तरह दो दुनिया में फिल्म ने पूरी दुनिया भर में 26.69 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन कर लिया है. श्है जवानी तो इश्क होना हैश बॉक्स ऑफिस पर तेलुगु फिल्म पेद्दी और बॉबी देओल की फिल्म बंदर से जबरदस्त टक्कर मिल रही है. श्पेद्दीश, वरुण की फिल्म "है जवानी तो इश्क होना है" से एक दिन पहले रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाई। राम चरण की यह फिल्म तीन दिनों में दुनियाभर में 236.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। रमेश तौरानी की प्रोड्यूस और डेविड धवन की डायरेक्ट की गई फिल्म श्है जवानी तो इश्क होना हैश में वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म में जिमी शेरगिल, मौनी रॉय, राकेश बेदी, चंकी पांडे और मनीष पॉल भी अहम सपोर्टिंग रोल में हैं, साथ ही जॉनी लीवर, राजपाल यादव, मनोज पाहवा, कृति सेनन और वरुण सूद के कैमियो भी हैं। "है जवानी तो इश्क होना है" 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

# राष्ट्रव्यापी समारोहों का शुभारंभ करेगा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय राष्ट्रव्यापी समारोहों का शुभारंभ करेगा, जो ''पीएमएसएमए के 10 वर्ष - देखभाल का एक दशक'' का जश्न मनाएंगे। ये समारोह प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएस एमए) के सफल कार्यान्वयन के एक दशक को चिह्नित करते हैं, जो भारत की प्रमुख पहलों में से एक है जिसका उद्देश्य सुरक्षित गर्भावस्था और स्वस्थ मातृत्व सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा करेंगे। इसके अलावा, प्रध ानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दस साल पूरे होने के उपलक्ष्य में केंद्रीय मंत्री नड्डा द्वारा एक विशेष 75 का स्मारक सिक्का और एक 5 का डाक टिकट जारी किया जाएगा। इस अभियान ने देश भर में सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने और मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रध ानमंत्री मोदी द्वारा 9 जून, 2016 को शुरू की गई इस योजना ने गर्भवती महिलाओं को हर महीने की 9 तारीख को मुफ्त, नवजात शिशु स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र

व्यापक और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) सेवाएं प्रदान करके मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं।

उत्कृष्टता के एक दशक (2016-26) को चिह्नित करते हुए, पीएमएसएमए भारत सरकार की प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य (आरएमएनएच+ए) रणनीति के तहत निरंतर देखभाल दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) की गुणवत्ता, कवरेज, निदान और परामर्श सेवाओं को बदलने के लिए समर्पित है, जिससे करोड़ों परिवारों पर प्रभाव पड़ता है और देश के मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में उल्लेखनीय कमी आती है।

इस समारोह के अंतर्गत, गर्भवती महिलाओं और उनके परिवारों को पीएमएसएमए के तहत उपलब्ध नौ सुनिश्चित निःशुल्क सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने और समय पर और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल के महत्व को बढ़ावा देने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जागरूकता और प्रचार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह कार्यक्रम निजी क्षेत्र के साथ जुड़ाव के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाता है, जिसमें निजी चिकित्सकों को अभियान में स्वेच्छा से भाग लेने के लिए प्रेरित करना, जागरूकता फैलाने की रणनीतियों को विकसित करने में सहायता करना और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर अभियान में भाग लेना शामिल है। पीएमएसएमए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और पोषण (आरएमएनसीएएच+एन) रणनीति के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है। इस योजना के मुख्य उद्देश्यों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि प्रत्येक गर्भवती महिला को दूसरी या तीसरी तिमाही के दौरान कम से कम एक बार किसी चिकित्सक/विशेषज्ञ द्वारा जांच मिले, प्रसवपूर्व जांच के दौरान देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं (एचआरपी) की प्रारंभिक अवस्था में पहचान और प्रबंधन करना, प्रत्येक गर्भवती महिला के लिए उचित प्रसव योजना और जटिलताओं के लिए तैयारी करना, कुपोषण से ग्रस्त महिलाओं का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करना और किशोर और प्रारंभिक गर्भावस्थाओं पर विशेष ध्यान देना शामिल है।

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने स्वच्छता पखवाड़ा 2026 मनाया

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय और अपने सभी

स्वायत्त संस्थानों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में 1 मई से 15 मई 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का आयोजन किया। कैबिनेट सचिवालय द्वारा जारी स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के दिशानिर्देशों एवं कैलेंडर के अनुसार इसका आयोजन किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का प्रारंभ 1 मई 2026 को नई दिल्ली के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित जैव प्रौद्योगिकी विभाग में शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ। इसमें विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। सामूहिक शपथ पाठ के माध्यम से स्वच्छता, अनुशासन और नागरिक उत्तरदायित्व के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया गया। साथ ही इसने पखवाड़े भर चलने वाली गतिविधि यों के लिए एक आधार भी तैयार किया। इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई और यह पखवाड़े के लिए एक सशक्त शुरुआत साबित हुआ। पखवाड़े के दौरान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और इसके संबद्ध स्वायत्त संस्थानों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों की योजना बनाई गई और उन्हें व्यापक भागीदारी के साथ पूरा किया गया। स्वच्छता, जल संरक्षण और श्रमदान को बढ़ावा देने वाली विभिन्न सर्वोत्तम नियमों को कार्य योजना में शामिल किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य जांच शिविर, पर्यावरण जागरूकता व्याख्यान, हस्ताक्षर अभियान, वृक्षारोपण अभियान, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर जागरूकता के लिए अतिथियों का व्याख्यान, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं, सेमिनार, चित्रकला, अपशिष्ट से धन सृजन प्रतियोगिता, जूट बोरियों का वितरण, लकड़ी की पैकिंग सामग्री का पुनः उपयोग करके सुंदर गमले बनाने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा, पास के सरकारी स्कूल में प्रयोगशाला अपशिष्ट प्रबंधन, शौचालयों और कक्षाओं के नवीनीकरण पर विशेष वार्ता आयोजित की गई। स्वच्छता के प्रति लोगों को शिक्षित करने के लिए छात्रों द्वारा निबंध/कविता/नारा लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

स्वच्छता पखवाड़े की निगरानी और मार्गदर्शन जैव प्रौद्योगिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने और मार्गदर्शन देने के लिए समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। दिशा-निर्देशों के अनुसार तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कार्यालयों का चयन करने के लिए एक समिति का गठन किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन कार्यालयों-(प) बीआरआईसी-राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएबी), (पप) बीआरआईसी-राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (एनएबीआई) और (पपप) बीआरआईसी- जैव संसाधन और सतत विकास संस्थान (आईबीएसडी) को प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव ने 2 जून, 2026 को एक औपचारिक समारोह में पुरस्कृत किया।

## विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों की एक उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने सोमवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारत के मुख्य

न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला किया है, जिसमें मतों की लूट और चुनावी धांधली का आरोप लगाया गया है। नई दिल्ली में विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों की एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए खर्गे ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश को जल्द से जल्द पत्र भेजने पर सहमति बनी है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर, मतों की लूट और चुनाव में धांधली को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी है। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंप दिया जाएगा। खरगे ने यह भी कहा कि इंडिया ब्लॉक ने सर्वसम्मति से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने का संकल्प लिया है, क्योंकि उन पर नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को प्रभावित करने वाली कथित अनियमितताएं हैं।कांग्रेस नेता ने कहा, षशिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी है क्योंकि उन्होंने नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खर्गे ने युवा, संस्थागत अखंडता और एक सतत संयुक्त विपक्षी मोर्चे पर केंद्रित गठबंधन की तत्काल कार्य योजना का विस्तृत विवरण दिया। खरगे ने आगे कहा कि गठबंधन के सहयोगी अब राष्ट्रीय राजनीति की समीक्षा और रणनीति समन्वय के लिए हर दो महीने में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेताओं की अगली औपचारिक बैठक 8 अगस्त को तय की गई है और भविष्य की तिथियों का निर्णय समय-समय पर लिया जाएगा और सूचित किया जाएगा।

स्वामी एवं प्रकाशक मौ. वसी के लिये मुद्रक नुसरत निशान खान द्वारा कौमी गुलदस्ता प्रिंटर्स, विलेज आमवाला, पोस्ट घंघौरा, देहरादून द्वारा, उत्तराखण्ड-248141 से मुद्रित एवं 5, लेन नम्बर 2, नामदेव एन्क्लेव फेस 2, ब्राहम्णवाला, देहरादून उत्तराखण्ड- 248171 से प्रकाशित। सम्पादक-मौ. वसी,
समस्त विवाद के लिये न्याय क्षेत्र देहरादून मान्य होगा। सम्पर्क- 9411112331

हमारे अखबार के ताजा अंक को ऑनलाइन पढ़ने के लिये www.aawamindia.com वेबसाइट पर जायें।
facebook: www.facebook.com/indiaaawam, youtube:www.youtube.com/@aawamindia,
X:www.x.com/aawamindia, Instagram:https://instagram.com/aawamindia